आपका ब्रांड यहाँ
आपका नाम, लोगो, रंग और संपर्क विवरण यहाँ छपते हैं



शास्त्रीय कुण्डली रिपोर्ट बंडल

नमूना रिपोर्ट

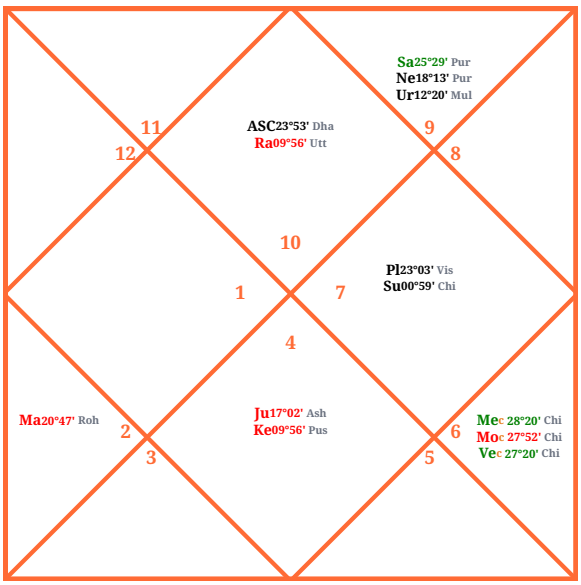
दिनांक और समय	1990-10-18T14:30:00
समय क्षेत्र	Asia/Kolkata
अक्षांश	28.6139
देशांतर	77.209
बंडल	Medium
तैयार	2026-11-08
भाषा	hi

प्रकृति
शास्त्रीय पाठ-आधारित फलादेश: योग, ग्रह फल, रत्न और रुद्राक्ष संबंधी पाठ इस कुण्डली के लिए शास्त्रीय परंपरा से उद्धृत हैं। इनमें आयु, रोग या उपचार संबंधी कथन चिकित्सीय सलाह नहीं हैं और न ही आयु या स्वास्थ्य की भविष्यवाणी हैं।

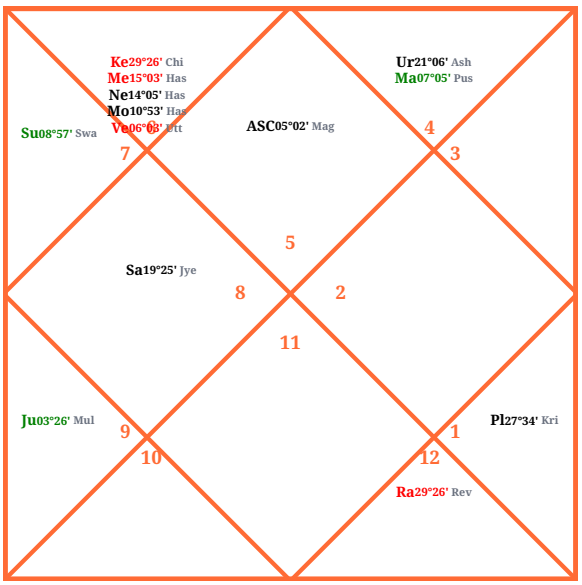
विषय-सूची

कुण्डलियाँ 3
जन्म विवरण 3
ग्रह 5
मैत्री 6
विंशोत्तरी दशा 7
भाव सन्धियाँ 11
KP ग्रह 12
KP भाव सन्धियाँ 12
मांगलिक 13
कालसर्प 14
साढ़े साती 14
लग्न वाचन 15
रत्न 17
रुद्राक्ष 21

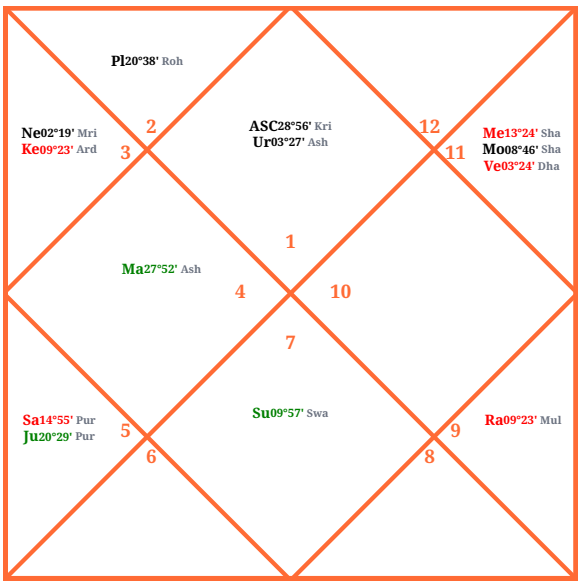
कुण्डलियाँ



जन्म कुंडली (D1)



नवांश (D9)



दशमांश (D10)

बंडल	Medium

जन्म विवरण

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285

लग्न

राशि	मकर
राशिश	शनि
नक्षत्र	धनिष्ठा
पद	1

चंद्र

राशि	कन्या
राशिश	बुध
नक्षत्र	चित्रा
नक्षत्र स्वामी	मंगल
पद	2

सूर्य राशि · निरयण	तुला
सूर्य राशि · सायन	तुला

अवकहड़ा

वर्ण	वैश्य
वश्य	Manava
योनि	बाघ
गण	राक्षस
नाड़ी	मध्य
राशि स्वामी	बुध
पाया	Silver
तत्त्व	Prithvi
तत्व	पृथ्वी
युंज	अन्त्य
वर्ग	Mouse
हंसक	Prithvi
नाम अक्षर	Po

जन्म के समय पंचांग · तिथि	अमावस्या
जन्म के समय पंचांग · योग	वैधृति
जन्म के समय पंचांग · करण	Naga

सूर्योदय के समय पंचांग

तिथि	अमावस्या
पक्ष	Krishna
नक्षत्र	चित्रा
योग	वैधृति
करण	Chatushpada

अंग समाप्ति समय

तिथि	21:06

नक्षत्र	07:40
योग	16:31
करण	21:06

सूर्योदय	06:23:52
सूर्यास्त	17:49:12

ग्रह

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
नोड	True
भाव प्रणाली	Whole sign

लग्न

राशि	मकर
राशि संख्या	10
राशिश	शनि
अंश	23.8935
अंश DMS	23-53-37
देशांतर	293.8935
नक्षत्र	धनिष्ठा
नक्षत्र संख्या	23
नक्षत्र स्वामी	मंगल
पद	1

ग्रह

नाम	राशि	राशि संख्या	राशिश	अंश	अंश DMS	देशांतर	नक्षत्र
सूर्य	तुला	7	शुक्र	0.9951	00-59-42	180.9951	चित्रा
चंद्र	कन्या	6	बुध	27.8766	27-52-36	177.8766	चित्रा
मंगल	वृषभ	2	शुक्र	20.7877	20-47-16	50.7877	रोहिणी
बुध	कन्या	6	बुध	28.34	28-20-24	178.34	चित्रा
गुरु	कर्क	4	चंद्र	17.0493	17-02-58	107.0493	आश्लेषा
शुक्र	कन्या	6	बुध	27.3406	27-20-26	177.3406	चित्रा
शनि	धनु	9	गुरु	25.4923	25-29-32	265.4923	पूर्वाषाढ़ा
राहु	मकर	10	शनि	9.9384	09-56-18	279.9384	उत्तराषाढ़ा
केतु	कर्क	4	चंद्र	9.9384	09-56-18	99.9384	पुष्य
अरुण	धनु	9	गुरु	12.3459	12-20-45	252.3459	मूल
वरुण	धनु	9	गुरु	18.2324	18-13-57	258.2324	पूर्वाषाढ़ा
यम	तुला	7	शुक्र	23.0635	23-03-49	203.0635	विशाखा

नाम	नक्षत्र संख्या	नक्षत्र स्वामी	पद	भाव	गति	वक्री	अस्त
सूर्य	14	मंगल	3	10	0.993145	नहीं	नहीं

नाम	नक्षत्र संख्या	नक्षत्र स्वामी	पद	भाव	गति	वक्री	अस्त
चंद्र	14	मंगल	2	9	12.335806	नहीं	हाँ
मंगल	4	चंद्र	4	5	0.035376	नहीं	नहीं
बुध	14	मंगल	2	9	1.710469	नहीं	हाँ
गुरु	9	बुध	1	7	0.12405	नहीं	नहीं
शुक्र	14	मंगल	2	9	1.25186	नहीं	हाँ
शनि	20	शुक्र	4	12	0.040927	नहीं	नहीं
राहु	21	सूर्य	4	1	-0.226596	हाँ	नहीं
केतु	8	शनि	2	7	-0.226596	हाँ	नहीं
अरुण	19	केतु	4	12	0.027975	नहीं	नहीं
वरुण	20	शुक्र	2	12	0.013483	नहीं	नहीं
यम	16	गुरु	1	10	0.03801	नहीं	नहीं

मैत्री

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285

संबंध

	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम
चंद्र		नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र
मंगल	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम		नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: Bitter	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु
बुध	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: Bitter	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु		नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र
गुरु	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम		नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु
शुक्र	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: Bitter	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र		नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate

	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शनि	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: Bitter	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	

विंशोत्तरी दशा

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
चंद्र नक्षत्र · नाम	चित्रा
चंद्र नक्षत्र · पद	2
चंद्र नक्षत्र · स्वामी	मंगल

जन्म के समय शेष

स्वामी	मंगल
वर्ष	4
महीने	7
दिन	11

वर्तमान

की तिथि के अनुसार	2026-11-08
महादशा · स्वामी	गुरु
महादशा · प्रारंभ	2013-05-30
महादशा · अंत	2029-05-30
अंतर्दशा · स्वामी	मंगल
अंतर्दशा · प्रारंभ	2026-01-28
अंतर्दशा · अंत	2027-01-04
प्रत्यन्तर दशा · स्वामी	शुक्र
प्रत्यन्तर दशा · प्रारंभ	2026-09-23
प्रत्यन्तर दशा · अंत	2026-11-19

स्वामियों की तारा

सूर्य	Janma
चंद्र	Janma
मंगल	Parama Mitra
बुध	Janma
गुरु	Pratyak
शुक्र	Janma

शनि	Vadha
राहु	Mitra
केतु	Kshema

महादशाएँ

मंगल

प्रारंभ	1990-10-18
अंत	1995-05-31

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
गुरु	1990-10-18	1990-10-20
शनि	1990-10-20	1991-11-29
बुध	1991-11-29	1992-11-25
केतु	1992-11-25	1993-04-23
शुक्र	1993-04-23	1994-06-23
सूर्य	1994-06-23	1994-10-29
चंद्र	1994-10-29	1995-05-31

राहु

प्रारंभ	1995-05-31
अंत	2013-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
राहु	1995-05-31	1998-02-10
गुरु	1998-02-10	2000-07-06
शनि	2000-07-06	2003-05-13
बुध	2003-05-13	2005-11-29
केतु	2005-11-29	2006-12-18
शुक्र	2006-12-18	2009-12-18
सूर्य	2009-12-18	2010-11-12
चंद्र	2010-11-12	2012-05-13
मंगल	2012-05-13	2013-05-30

गुरु

प्रारंभ	2013-05-30
अंत	2029-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
गुरु	2013-05-30	2015-07-18
शनि	2015-07-18	2018-01-28
बुध	2018-01-28	2020-05-05
केतु	2020-05-05	2021-04-11
शुक्र	2021-04-11	2023-12-11
सूर्य	2023-12-11	2024-09-28

स्वामी	प्रारंभ	अंत
चंद्र	2024-09-28	2026-01-28
मंगल	2026-01-28	2027-01-04
राहु	2027-01-04	2029-05-30

शनि

प्रारंभ	2029-05-30
अंत	2048-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
शनि	2029-05-30	2032-06-02
बुध	2032-06-02	2035-02-10
केतु	2035-02-10	2036-03-21
शुक्र	2036-03-21	2039-05-22
सूर्य	2039-05-22	2040-05-03
चंद्र	2040-05-03	2041-12-02
मंगल	2041-12-02	2043-01-11
राहु	2043-01-11	2045-11-17
गुरु	2045-11-17	2048-05-30

बुध

प्रारंभ	2048-05-30
अंत	2065-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
बुध	2048-05-30	2050-10-27
केतु	2050-10-27	2051-10-24
शुक्र	2051-10-24	2054-08-24
सूर्य	2054-08-24	2055-06-30
चंद्र	2055-06-30	2056-11-28
मंगल	2056-11-28	2057-11-25
राहु	2057-11-25	2060-06-13
गुरु	2060-06-13	2062-09-19
शनि	2062-09-19	2065-05-30

केतु

प्रारंभ	2065-05-30
अंत	2072-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
केतु	2065-05-30	2065-10-26
शुक्र	2065-10-26	2066-12-26
सूर्य	2066-12-26	2067-05-03
चंद्र	2067-05-03	2067-12-02
मंगल	2067-12-02	2068-04-29

स्वामी	प्रारंभ	अंत
राहु	2068-04-29	2069-05-18
गुरु	2069-05-18	2070-04-24
शनि	2070-04-24	2071-06-03
बुध	2071-06-03	2072-05-30

शुक्र

प्रारंभ	2072-05-30
अंत	2092-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
शुक्र	2072-05-30	2075-09-30
सूर्य	2075-09-30	2076-09-29
चंद्र	2076-09-29	2078-05-31
मंगल	2078-05-31	2079-07-31
राहु	2079-07-31	2082-07-31
गुरु	2082-07-31	2085-03-31
शनि	2085-03-31	2088-05-31
बुध	2088-05-31	2091-04-01
केतु	2091-04-01	2092-05-30

सूर्य

प्रारंभ	2092-05-30
अंत	2098-05-31

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
सूर्य	2092-05-30	2092-09-17
चंद्र	2092-09-17	2093-03-19
मंगल	2093-03-19	2093-07-25
राहु	2093-07-25	2094-06-19
गुरु	2094-06-19	2095-04-07
शनि	2095-04-07	2096-03-19
बुध	2096-03-19	2097-01-23
केतु	2097-01-23	2097-05-31
शुक्र	2097-05-31	2098-05-31

चंद्र

प्रारंभ	2098-05-31
अंत	2108-05-31

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
चंद्र	2098-05-31	2099-03-31
मंगल	2099-03-31	2099-10-30
राहु	2099-10-30	2101-05-01
गुरु	2101-05-01	2102-08-31

स्वामी	प्रारंभ	अंत
शनि	2102-08-31	2104-03-31
बुध	2104-03-31	2105-08-30
केतु	2105-08-30	2106-03-31
शुक्र	2106-03-31	2107-11-30
सूर्य	2107-11-30	2108-05-31

भाव सन्धियाँ

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
भाव प्रणाली	Sripati

भाव

भाव	प्रारंभ	मध्य	अंत	ग्रह
1	देशांतर: 281.11; राशि: मकर; अंश: 11.11	देशांतर: 293.89; राशि: मकर; अंश: 23.89	देशांतर: 311.11; राशि: कुम्भ; अंश: 11.11	—
2	देशांतर: 311.11; राशि: कुम्भ; अंश: 11.11	देशांतर: 328.33; राशि: कुम्भ; अंश: 28.33	देशांतर: 345.55; राशि: मीन; अंश: 15.55	—
3	देशांतर: 345.55; राशि: मीन; अंश: 15.55	देशांतर: 2.77; राशि: मेष; अंश: 2.77	देशांतर: 19.99; राशि: मेष; अंश: 19.99	—
4	देशांतर: 19.99; राशि: मेष; अंश: 19.99	देशांतर: 37.21; राशि: वृषभ; अंश: 7.21	देशांतर: 49.99; राशि: वृषभ; अंश: 19.99	—
5	देशांतर: 49.99; राशि: वृषभ; अंश: 19.99	देशांतर: 62.77; राशि: मिथुन; अंश: 2.77	देशांतर: 75.55; राशि: मिथुन; अंश: 15.55	मंगल
6	देशांतर: 75.55; राशि: मिथुन; अंश: 15.55	देशांतर: 88.33; राशि: मिथुन; अंश: 28.33	देशांतर: 101.11; राशि: कर्क; अंश: 11.11	केतु
7	देशांतर: 101.11; राशि: कर्क; अंश: 11.11	देशांतर: 113.89; राशि: कर्क; अंश: 23.89	देशांतर: 131.11; राशि: सिंह; अंश: 11.11	गुरु
8	देशांतर: 131.11; राशि: सिंह; अंश: 11.11	देशांतर: 148.33; राशि: सिंह; अंश: 28.33	देशांतर: 165.55; राशि: कन्या; अंश: 15.55	—
9	देशांतर: 165.55; राशि: कन्या; अंश: 15.55	देशांतर: 182.77; राशि: तुला; अंश: 2.77	देशांतर: 199.99; राशि: तुला; अंश: 19.99	सूर्य, चंद्र, बुध, शुक्र
10	देशांतर: 199.99; राशि: तुला; अंश: 19.99	देशांतर: 217.21; राशि: वृश्चिक; अंश: 7.21	देशांतर: 229.99; राशि: वृश्चिक; अंश: 19.99	यम
11	देशांतर: 229.99; राशि: वृश्चिक; अंश: 19.99	देशांतर: 242.77; राशि: धनु; अंश: 2.77	देशांतर: 255.55; राशि: धनु; अंश: 15.55	अरुण
12	देशांतर: 255.55; राशि: धनु; अंश: 15.55	देशांतर: 268.33; राशि: धनु; अंश: 28.33	देशांतर: 281.11; राशि: मकर; अंश: 11.11	शनि, राहु, वरुण

ग्रह

नाम	राशि	राशि भाव	भाव
सूर्य	तुला	10	9
चंद्र	कन्या	9	9
मंगल	वृषभ	5	5
बुध	कन्या	9	9
गुरु	कर्क	7	7
शुक्र	कन्या	9	9
शनि	धनु	12	12
राहु	मकर	1	12
केतु	कर्क	7	6
अरुण	धनु	12	11
वरुण	धनु	12	12
यम	तुला	10	10

KP ग्रह

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
भाव प्रणाली	Placidus

ग्रह

नाम	देशांतर	राशि	अंश	नक्षत्र स्वामी	उप स्वामी	उप-उप स्वामी	नक्षत्र
सूर्य	180.995	तुला	0.995	मंगल	बुध	मंगल	चित्रा
चंद्र	177.8767	कन्या	27.8767	मंगल	गुरु	राहु	चित्रा
मंगल	50.7878	वृषभ	20.7878	चंद्र	शुक्र	शुक्र	रोहिणी
बुध	178.34	कन्या	28.34	मंगल	शनि	बुध	चित्रा
गुरु	107.0494	कर्क	17.0494	बुध	बुध	शुक्र	आश्लेषा
शुक्र	177.3406	कन्या	27.3406	मंगल	गुरु	सूर्य	चित्रा
शनि	265.4922	धनु	25.4922	शुक्र	बुध	गुरु	पूर्वाषाढ़ा
राहु	279.9383	मकर	9.9383	सूर्य	शुक्र	केतु	उत्तराषाढ़ा
केतु	99.9383	कर्क	9.9383	शनि	शुक्र	बुध	पुष्य
अरुण	252.3458	धनु	12.3458	केतु	—	—	मूल
वरुण	258.2325	धनु	18.2325	शुक्र	—	—	पूर्वाषाढ़ा
यम	203.0636	तुला	23.0636	गुरु	—	—	विशाखा

नाम	पद	वक्री	भाव
सूर्य	3	नहीं	8
चंद्र	2	नहीं	8
मंगल	4	नहीं	4
बुध	2	नहीं	8
गुरु	1	नहीं	6
शुक्र	2	नहीं	8
शनि	4	नहीं	12
राहु	4	हाँ	12
केतु	2	हाँ	6
अरुण	4	नहीं	11
वरुण	2	नहीं	11
यम	1	नहीं	9

KP भाव सन्धियाँ

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
भाव प्रणाली	Placidus

भाव सन्धियाँ

भाव	देशांतर	राशि	अंश	नक्षत्र स्वामी	उप स्वामी	उप-उप स्वामी	उप स्वामी समूह
1	293.8935	मकर	23.8935	मंगल	मंगल	शुक्र	मंगल, सूर्य, चंद्र, बुध, शुक्र, राहु
2	334.7194	मीन	4.7194	शनि	शनि	चंद्र	शनि, सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, शुक्र
3	9.6406	मेष	9.6406	केतु	शनि	शनि	शनि, सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, शुक्र
4	37.2129	वृषभ	7.2129	सूर्य	केतु	सूर्य	केतु, गुरु, सूर्य, मंगल, शनि, राहु, शुक्र
5	61.004	मिथुन	1.004	मंगल	बुध	मंगल	बुध, चंद्र, शुक्र, मंगल, गुरु, शनि, राहु
6	84.9724	मिथुन	24.9724	गुरु	बुध	राहु	बुध, चंद्र, शुक्र, मंगल, गुरु, शनि, राहु
7	113.8935	कर्क	23.8935	बुध	मंगल	शुक्र	मंगल, सूर्य, चंद्र, बुध, शुक्र, राहु
8	154.7194	कन्या	4.7194	सूर्य	शनि	राहु	शनि, सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, शुक्र
9	189.6406	तुला	9.6406	राहु	गुरु	शुक्र	गुरु, केतु, सूर्य, मंगल, शनि, राहु, बुध
10	217.2129	वृश्चिक	7.2129	शनि	बुध	शनि	बुध, चंद्र, शुक्र, मंगल, गुरु, शनि, राहु
11	241.004	धनु	1.004	केतु	शुक्र	शुक्र	शुक्र, चंद्र, बुध, मंगल, गुरु, शनि, राहु
12	264.9724	धनु	24.9724	शुक्र	बुध	मंगल	बुध, चंद्र, शुक्र, मंगल, गुरु, शनि, राहु

मांगलिक

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
मांगलिक	नहीं
संख्या	0
प्रतिशत	0
बल	No Manglik

से

	सन्दर्भ राशि	मंगल राशि	मंगल भाव	मांगलिक	दोष भाव
लग्न	मकर	वृषभ	5	नहीं	1, 2, 4, 7, 8, 12
चंद्र	कन्या	वृषभ	9	नहीं	1, 2, 4, 7, 8, 12
शुक्र	कन्या	वृषभ	9	नहीं	1, 2, 4, 7, 8, 12

स्पष्टीकरण

नियम

मंगल 1ला, 2रा, 4था, 7वाँ, 8वाँ या 12वाँ भाव में, लग्न, चंद्रमा और शुक्र से अलग-अलग गिना गया; जिन भी संदर्भों में यह स्थिति बनती है, वे गिने जाते हैं, और निष्कर्ष यह है कि ऐसे संदर्भ कितने हैं।

निर्णायक

लग्न · मंगल भाव	5
लग्न · मांगलिक	नहीं
लग्न · सन्दर्भ राशि	मकर
चंद्र · मंगल भाव	9
चंद्र · मांगलिक	नहीं
चंद्र · सन्दर्भ राशि	कन्या
शुक्र · मंगल भाव	9
शुक्र · मांगलिक	नहीं

शुक्र · सन्दर्भ राशि	कन्या
संख्या	0
मांगलिक	नहीं

परंपरा
वैदिक विवाह मिलान में प्रयुक्त कुज (मंगल) दोष। भावों पर (कुछ मत 2रे भाव को छोड़ देते हैं) और परिहारों पर मतों में भिन्नता है; manglik-match दो कुंडलियों के बीच परिहारों की जानकारी देता है।

कालसर्प

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
वर्तमान	नहीं
आंशिक	नहीं
प्रकार	—
राहु भाव	1

अक्ष के बाहर के ग्रह
सूर्य · चंद्र · बुध · गुरु · शुक्र · शनि

विवरण	कोई कालसर्प योग नहीं। ग्रह राहु और केतु के बीच सीमित नहीं हैं।
उपाय	—

स्पष्टीकरण

नियम	सभी सात ग्रह (सूर्य से शनि तक) राहु-केतु अक्ष के एक ओर; आंशिक तब, जब कोई एक अक्ष के बाहर या अक्ष पर स्थित हो।

निर्णायक

वर्तमान	नहीं
आंशिक	नहीं
प्रकार	—
राहु भाव	1

अक्ष के बाहर के ग्रह
सूर्य · चंद्र · बुध · गुरु · शुक्र · शनि

परंपरा
शास्त्रीय ग्रंथों (पराशर, फलदीपिका, सारावली) में परिभाषित नहीं; एक परवर्ती परंपरा, जो उत्तर भारतीय पद्धति में व्यापक रूप से प्रयुक्त है। बारह नामित प्रकार राहु के भाव का अनुसरण करते हैं।

साढ़े साती

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
चंद्र राशि	कन्या
की तिथि के अनुसार	2026-11-08

साढ़े साती चालू	नहीं
वर्तमान	—

अगली साढ़े साती

प्रकार	साढ़े साती
चरण	Rising
शनि राशि	सिंह
प्रारंभ	2036-08-27T15:06:45+00:00
अंत	2038-10-22T11:26:48+00:00
दिन	785.85
लघु अवधि	नहीं
मूर्ति	Tamra Murti
मूर्ति शुभ	नहीं
स्कैन से पहले आरम्भ	नहीं

स्पष्टीकरण

नियम	शनि का जन्म चंद्र राशि से 12वीं, 1ली और 2री राशि में गोचर (साढ़ेसाती: प्रथम, मध्य और अंतिम चरण); यहाँ चंद्रमा कन्या में है।

निर्णायक

चंद्र राशि	कन्या
की तिथि के अनुसार	2026-11-08
चालू	—
साढ़े साती चालू	नहीं

परंपरा
जन्म चंद्र राशि से गिना गया गोचर, जो वैदिक पद्धति में मानक है। शनि की वक्री चाल के कारण बनने वाली कुछ महीनों से छोटी अवधि को short_spell के रूप में चिह्नित किया जाता है।

लग्न वाचन

लग्न

राशि	मकर
राशि संख्या	10
अंश	23.8936
नक्षत्र	धनिष्ठा
पद	1
तत्व	पृथ्वी
पद्धति	चर
स्वामी	शनि
मूलरूप	ऐसा आरोही जो प्रगति को दशकों में मापता है

स्वामी

ग्रह	शनि

राशि	धनु
भाव	12
बल	सम
वक्री	नहीं
अस्त	नहीं
शक्ति सूचक	Workable

अधिवासी

ग्रह	राशि	अंश	बल	वक्री	प्रकृति	प्रभाव
राहु	मकर	9.9383	सम	हाँ	Malefic	महत्वाकांक्षा, अपरंपरागत उपस्थिति और पहुँच से बाहर की चीज़ों की लालसा जोड़ता है

दृष्टियाँ

ग्रह	भाव से	दृष्टि	बल	प्रकृति
गुरु	7	7th aspect	उच्च	शुभ ग्रह
केतु	7	7th aspect	सम	Malefic

फलादेश

- आपके जन्म के समय मकर लग्न उदित हो रहा था, जिससे शनि आपकी कुण्डली का स्वामी बनता है; यही लग्न वह मूल स्वर तय करता है जिसके संदर्भ में बाकी सब पढ़ा जाता है। पृथ्वी तत्व की चर राशि होने के कारण यह ऐसा स्वभाव देती है जो अनुशासित, यथार्थवादी और प्रतीक्षा के लिए तैयार है — ऐसा आरोही जो प्रगति को दशकों में मापता है।
- आपका जीवन पहल के रूप में आगे बढ़ता है। आप सहजता से कार्य आरंभ करते हैं, और कठिनाई शुरू करने में नहीं, पूरा करने में होती है।
- आपकी कुण्डली का स्वामी शनि 12वें भाव में धनु राशि में स्थित है। इससे आपके जीवन का गुरुत्व-केंद्र उन विषयों में निवेशित है जो दृष्टि से परे हैं: विदेश, एकांत, शोध या आंतरिक जीवन। सामान्य, दिखाई देने वाली उपलब्धियाँ आपको उतना संतोष नहीं देतीं जितना देनी चाहिए।
- वहाँ इसकी स्थिति कार्यक्षम है: धनु में यह प्रभावी ढंग से कार्य करता है, पर अपने परिवेश का रंग ग्रहण कर लेता है। आपके स्व के स्वामी को न तो बल मिलता है और न ही बाधा; वह क्या करता है, यह बहुत हद तक उसकी संगति और चल रही दशा पर निर्भर करता है।
- इसके अतिरिक्त, स्वयं आपके प्रथम भाव में राहु की उपस्थिति है, जिसका सीधा प्रभाव व्यक्तित्व पर पड़ता है। राहु महत्वाकांक्षा, अपरंपरागत उपस्थिति और पहुँच से बाहर की चीज़ों की लालसा जोड़ता है।
- अन्य स्थानों से लग्न पर क्या पड़ता है, यह देखें तो: गुरु लग्न पर दृष्टि डालता है, जिससे इसकी रक्षा होती है — जितना आप ध्यान देते हैं, उससे कहीं अधिक बार आपको संदेह का लाभ मिलता है; केतु इस पर दृष्टि डालता है, जिससे यह कठोर बनता है — आपके स्व पर बाहर से दबाव है, और इसने आपको उससे अधिक सक्षम बनाया है जितना कोई सुविधाजनक कुण्डली बनाती।

काया

नक्षत्र	धनिष्ठा

नोट्स

- मकर लग्न के पृथ्वी तत्व का झुकाव प्रायः इस ओर होता है: सुगठित, मज़बूत काया जो अपनी तंदुरुस्ती बनाए रखती है और देर से थकती है।
- लग्न धनिष्ठा नक्षत्र में उदित है, जो सामान्य चित्र को और परिष्कृत करता है — व्यवहार और रूप-रंग की बारीक विशेषताएँ राशि के बजाय उस नक्षत्र का अनुसरण करती हैं।

शक्तियाँ

- यहाँ मकर लग्न की अपनी छाप ही पूँजी है: स्वभाव सुसंगत है, और जहाँ कोई एक स्थिति विशेष रूप से उभरकर न भी दिखे, वहाँ भी यह सुसंगति जीवन भर संचित होकर बढ़ती जाती है।

चुनौतियाँ

- प्रथम भाव में राहु — महत्वाकांक्षा, अपरंपरागत उपस्थिति और पहुँच से बाहर की चीज़ों की लालसा जोड़ता है, जिसे दूसरे आपकी मंशा से अधिक तीखे रूप में देखते हैं।

रत्न

लग्न	मकर

कार्यात्मक प्रकृति

ग्रह	प्रकृति	भाव	क्यों
शनि	शुभ ग्रह	1, 2	1ले भाव का स्वामी, जो त्रिकोण है — आपके लिए कार्यात्मक शुभ ग्रह
गुरु	Malefic	3, 12	3रे भाव का स्वामी — आपके लिए कार्यात्मक पाप ग्रह
मंगल	सम	4, 11	4थे भाव का स्वामी, जो केन्द्र है — आपके लिए निष्प्रभावी, न विशेष सहायक न हानिकारक
शुक्र	योगकारक	5, 10	त्रिकोण (5वें भाव) और केन्द्र (10वें भाव), दोनों का स्वामी — मकर लग्न की कुण्डली में सबसे अधिक शुभ ग्रह
बुध	शुभ ग्रह	6, 9	9वें भाव का स्वामी, जो त्रिकोण है — आपके लिए कार्यात्मक शुभ ग्रह
चंद्र	सम	7	7वें भाव का स्वामी, जो केन्द्र है — आपके लिए निष्प्रभावी, न विशेष सहायक न हानिकारक
सूर्य	सम	8	आपके लिए किसी निर्णायक भाव का स्वामी नहीं
राहु	सम	—	किसी राशि का स्वामी नहीं; अपने राशि-स्वामी (डिस्पोज़िटर) और अपने भाव के माध्यम से कार्य करता है
केतु	सम	—	किसी राशि का स्वामी नहीं; अपने राशि-स्वामी (डिस्पोज़िटर) और अपने भाव के माध्यम से कार्य करता है

रत्न

शनि

भूमिका	Life Stone
नियम भाव	1
उद्देश्य	आपके लग्नेश को बल देता है — जीवनशक्ति, आत्मविश्वास और स्वयं
सलाह दी गई	हाँ

निर्णय

अनुशंसित। शनि को अपनी राशि से न बल मिलता है न बाधा, इसलिए यह अपने फल अपने परिवेश से ग्रहण करता है — और ठीक यही वह स्थिति है जिसे स्थिर करने के लिए शास्त्रीय रूप से रत्न का प्रयोग किया जाता है।

राशि में स्थित	धनु
भाव में स्थित	12
बल	सम
वक्री	नहीं
कार्यात्मक प्रकृति	शुभ ग्रह
कार्यात्मक कारण	1ले भाव का स्वामी, जो त्रिकोण है — आपके लिए कार्यात्मक शुभ ग्रह
रुद्राक्ष मुखी	7
रत्न	Blue Sapphire
संस्कृत	Neelam
विकल्प	Amethyst or Lapis Lazuli
धातु	Silver or Iron
उंगली	Middle finger
हाथ	Right
भार	5–7 carats
दिन	शनिवार
समय	After sunset
मंत्र	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः
जप	23000

शुक्र

भूमिका	Lucky Stone
नियम भाव	5
उद्देश्य	आपके 5वें भाव के स्वामी को बल देता है — बुद्धि, रचनात्मकता, संतान और वह भाग्य जो आप कर्म से बनाते हैं
सलाह दी गई	हाँ

निर्णय

अनुशंसित, और यही वह स्थिति है जिसमें यह सबसे अधिक सहायता करता है। शुक्र कन्या में नीच का है, इसलिए इसके स्वामित्व वाला भाव अपनी क्षमता से कम कार्य करता है; रत्न वह देता है जो राशि इसे नहीं देती। मुख्य रत्न अपनाने से पहले छह सप्ताह तक उपरत्न से आरंभ करें। यह भी ध्यान दें कि शुक्र आपकी कुण्डली का योगकारक है — यह वह सर्वश्रेष्ठ कार्यात्मक भूमिका है जो यहाँ कोई ग्रह निभा सकता है। तीनों रत्नों में से इसे सबसे पहले धारण करें।

राशि में स्थित	कन्या
भाव में स्थित	9
बल	नीच
वक्री	नहीं
कार्यात्मक प्रकृति	योगकारक
कार्यात्मक कारण	त्रिकोण (5वें भाव) और केन्द्र (10वें भाव), दोनों का स्वामी — मकर लग्न की कुण्डली में सबसे अधिक शुभ ग्रह
रुद्राक्ष मुखी	6
रत्न	Diamond
संस्कृत	Heera
विकल्प	White Sapphire or White Zircon
धातु	Platinum, White Gold or Silver
उंगली	Middle finger
हाथ	Right
भार	0.5–1.5 carats
दिन	शुक्रवार
समय	At sunrise
मंत्र	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः
जप	16000

बुध

भूमिका	Fortune Stone
नियम भाव	9
उद्देश्य	आपके 9वें भाव, भाग्य भाव, के स्वामी को बल देता है — भाग्य, गुरु, आस्था और बिना माँगे मिलने वाला सहयोग
सलाह दी गई	हाँ

निर्णय

अनुशंसित, यद्यपि कम तात्कालिकता के साथ। बुध पहले से ही कन्या में उच्च का है और अच्छी तरह कार्य कर रहा है; रत्न किसी दुर्बलता को सुधारने के बजाय पहले से मौजूद शक्ति को और धार देता है। छोटा रत्न पर्याप्त है।

राशि में स्थित	कन्या
भाव में स्थित	9
बल	उच्च
वक्री	नहीं
कार्यात्मक प्रकृति	शुभ ग्रह

कार्यात्मक कारण	9वें भाव का स्वामी, जो त्रिकोण है — आपके लिए कार्यात्मक शुभ ग्रह
रुद्राक्ष मुखी	4
रत्न	Emerald
संस्कृत	Panna
विकल्प	Green Onyx or Peridot
धातु	Gold
उंगली	Little finger
हाथ	Right
भार	3–6 carats
दिन	बुधवार
समय	At sunrise
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
जप	9000

भाग्य रत्न

भूमिका	Fortune Stone
ग्रह	बुध
नियम भाव	9
उद्देश्य	आपके 9वें भाव, भाग्य भाव, के स्वामी को बल देता है — भाग्य, गुरु, आस्था और बिना माँगे मिलने वाला सहयोग
सलाह दी गई	हाँ

निर्णय
अनुशंसित, यद्यपि कम तात्कालिकता के साथ। बुध पहले से ही कन्या में उच्च का है और अच्छी तरह कार्य कर रहा है; रत्न किसी दुर्बलता को सुधारने के बजाय पहले से मौजूद शक्ति को और धार देता है। छोटा रत्न पर्याप्त है।

राशि में स्थित	कन्या
भाव में स्थित	9
बल	उच्च
वक्री	नहीं
कार्यात्मक प्रकृति	शुभ ग्रह
कार्यात्मक कारण	9वें भाव का स्वामी, जो त्रिकोण है — आपके लिए कार्यात्मक शुभ ग्रह
रुद्राक्ष मुखी	4
रत्न	Emerald
संस्कृत	Panna
विकल्प	Green Onyx or Peridot
धातु	Gold
उंगली	Little finger
हाथ	Right
भार	3–6 carats
दिन	बुधवार
समय	At sunrise
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
जप	9000

तर्क

- आपके 9वें भाव — भाग्य, शास्त्रीय रूप से भाग्य का भाव — का स्वामी बुध है। सभी उपचारात्मक रत्नों में से, 9वें भाव के स्वामी से जुड़ा रत्न परंपरागत रूप से क्षमता के लिए नहीं, भाग्य के लिए पहना जाता है: यह उस पर कार्य करता है जो आपके पास आता है, न कि उस पर जो आप उत्पन्न करते हैं।
- आपकी कुण्डली में बुध 9वें भाव में कन्या राशि में स्थित है, और भाग्य वास्तव में यहीं से आता है। उस भाव के कारकत्वों को माध्यम के रूप में पढ़ें — आपके जीवन में सहायता प्रायः उसी दिशा से आती है।
- बुध उच्च का है, इसलिए 9वें भाव को पहले से ही अच्छा समर्थन प्राप्त है। रत्न सुधार के लिए नहीं, बनाए रखने के लिए पहना जाता है, और साधारण वज़न पर्याप्त है।

दान	बुधवार को हरी मूंग, हरा वस्त्र और पुस्तकें
देवता	Vishnu (and Lord Ganesha)

बचें

ग्रह	रत्न	संस्कृत	कारण	बज
गुरु	Yellow Sapphire	Pukhraj	गुरु 3रे भाव का स्वामी है — आपके लिए कार्यात्मक पाप ग्रह। पुखराज धारण करने से इसका प्रभाव और बढ़ जाएगा।	गुरुव को चने की दाल हल्दी और पील वस्त्र

अनुकूल बिंदु

संख्याएँ	5, 6, 8
संख्याएँ क्यों	आपके लग्न के स्वामी (शनि) और भाग्य के 9वें भाव के स्वामी (बुध) से, आपकी कुण्डली के अन्य कार्यात्मक शुभ ग्रहों के साथ, निकाले गए।
जन्म संख्या	9
भाग्य संख्या	2

दिन

बुधवार | शुक्रवार | शनिवार

दिन क्यों	उन्हीं ग्रहों द्वारा शासित वार — कार्य आरंभ करने के स्वाभाविक दिन।

रंग

dark blue, black and charcoal | Green and turquoise

बचने वाले रंग	Yellow and gold
दिशा	दक्षिण

दिशा क्यों

मकर लग्न की शास्त्रीय दिशा। इसे नियम नहीं, केवल बराबरी की स्थिति में निर्णय करने वाला संकेत मानें — जहाँ आपके लिए स्थानांतरण रिपोर्ट की गणना की गई है, वहाँ उसकी क्रमबद्ध दिशाएँ कुण्डली के कहीं अधिक भाग पर आधारित हैं और उन्हीं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

धातु	Iron or Steel
देवता	Vishnu (and Lord Ganesha)
योगकारक	शुक्र
योगकारक टिप्पणी	शुक्र मकर लग्न का योगकारक है — इसे बल देना आपके लिए उपलब्ध किसी भी अन्य एकल उपाय से अधिक सहायक है।
तत्व	पृथ्वी
चंद्र राशि	कन्या

चंद्र नक्षत्र	चित्रा
दान	बुधवार को हरी मूंग, हरा वस्त्र और पुस्तकें
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

प्रोटोकॉल

- प्राकृतिक और अनुपचारित रत्न ही ख़रीदें। गर्म किया हुआ या भराव वाला रत्न केवल सजावटी वस्तु है; शास्त्रीय परंपरा के अनुसार उसमें कोई उपचारात्मक प्रभाव नहीं होता, और बाज़ार में बिकने वाले अधिकांश रत्न उपचारित होते हैं।
- ख़रीदने से पहले रत्न का वज़न और मूल स्थान प्रमाणित करवाएँ, और प्रमाणपत्र सँभालकर रखें।
- पहली बार धारण करने से पहले रत्न को ऊर्जावान करें: रात भर कच्चे दूध या गंगाजल में भिगोकर रखें, फिर ग्रह के अपने वार को उस ग्रह का मंत्र बताई गई संख्या में जपें।
- इसे बताए गए दिन और उँगली में, बताए गए समय (होरा) में धारण करें, और इस प्रकार जड़वाएँ कि रत्न त्वचा को स्पर्श करे — बंद जड़ाई केवल सजावटी होती है।
- किसी भी नए रत्न का मूल्यांकन करने से पहले उसे छह से आठ सप्ताह दें, और धारण करने के बाद यदि नींद, स्वभाव या स्वास्थ्य लगातार बिगड़े तो तुरंत उतार दें।
- परस्पर शत्रु ग्रहों के दो रत्न कभी साथ न पहनें — सबसे आम उदाहरण है नीलम के साथ माणिक्य या मोती।
- इनमें से कुछ भी परामर्श का विकल्प नहीं है। रत्न कुण्डली के लिए और उस व्यक्ति के जीवन के एक विशेष समय के लिए चुना जाता है; इन दोनों में से केवल कुण्डली वाले भाग की गणना यह पृष्ठ कर सकता है।

रुद्राक्ष

सुझाव

Ek Mukhi (1 Face)

मुखी	1
ग्रह	सूर्य
देवता	Lord Shiva (Supreme Consciousness)
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करने का दिन	रविवार
धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Rare

लाभ

- नेतृत्व गुण, आत्मविश्वास और मन की स्पष्टता बढ़ाता है।
- अहंकार दूर करता है और धारक को परम चेतना से जोड़ता है।
- शक्ति, अधिकार और आध्यात्मिक मुक्ति (मोक्ष) प्रदान करता है।
- हृदय और दाहिनी आँख से जुड़े रोगों में प्रभावी।
- राजनेताओं, CEO और आध्यात्मिक नेताओं के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	निर्बल सूर्य, मेष/सिंह लग्न या सिंह राशि के चन्द्र वाले लोगों के लिए उपयुक्त। नेतृत्व पदों पर आसीन लोगों के लिए लाभकारी।

> **सावधानी**
> अत्यंत शक्तिशाली; पहनने से पहले किसी योग्य ज्योतिषी से परामर्श लें। परंपरागत रूप से इसे लॉकेट (पेंडेंट) के रूप में पहना जाता है।

कारण	कुण्डली में सूर्य निर्बल या पीड़ित है

Do Mukhi (2 Face)

मुखी	2
ग्रह	चंद्र

देवता	Ardhanarishwara (Shiva-Shakti Unity)
मंत्र	Om Namah
धारण करने का दिन	सोमवार
धातु	Silver
रंग	Brown
दुर्लभता	Common

लाभ

- संबंधों में एकता, सामंजस्य और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देता है।
- चिंता, भावनात्मक अस्थिरता और मानसिक बेचैनी कम करता है।
- संबंधों को बल देता है — विवाह, परिवार, व्यावसायिक साझेदारी।
- बाईं आँख, गुर्दे और पाचन संबंधी समस्याओं से जुड़े रोगों में लाभकारी।
- दंपतियों, परामर्शदाताओं और भावनात्मक चुनौतियों वाले लोगों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	निर्बल चन्द्र, कर्क लग्न या अशांत भावनात्मक जीवन वाले लोगों के लिए उपयुक्त।

सावधानी

जोड़े में पहनना सर्वोत्तम; द्वैत और एकजुटता का प्रतीक है।

कारण	कुण्डली में चन्द्र निर्बल या पीड़ित है

Teen Mukhi (3 Face)

मुखी	3
ग्रह	मंगल
देवता	अग्नि देव और भगवान ब्रह्मा
मंत्र	Om Kleem Namah
धारण करने का दिन	मंगलवार
धातु	Gold or Copper
रंग	Brown
दुर्लभता	Common

लाभ

- कर्म-चक्र और पूर्वजन्म के बोझ से मुक्त करता है।
- ऊर्जा, साहस, महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास बढ़ाता है।
- अवसाद, हीन भावना और आत्म-संदेह को कम करता है।
- रक्त विकार, ज्वर और पाचन संबंधी समस्याओं में लाभकारी।
- मंगल दोष या निर्बल मंगल वालों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	मेष/वृश्चिक लग्न, निर्बल मंगल या मंगल से जुड़ी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए उपयुक्त।

सावधानी

अत्यधिक आक्रामक स्वभाव हो तो न पहनें; यह मनका मंगल की ऊर्जा को और बढ़ाता है।

कारण	अंक ज्योतिषीय मूलांक 9 है (ग्रह: मंगल)

Chaar Mukhi (4 Face)

मुखी	4
ग्रह	बुध
देवता	Lord Brahma and Goddess Saraswati
मंत्र	Om Hreem Namah

धारण करने का दिन	बुधवार
धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Common

लाभ
- बुद्धि, स्मरणशक्ति, वाक्चातुर्य, संवाद कौशल और रचनात्मकता बढ़ाता है।
- मन की जड़ता दूर करता है और एकाग्रता सुधारता है।
- विद्यार्थियों, लेखकों, शिक्षकों और सार्वजनिक वक्ताओं के लिए लाभकारी।
- हकलाहट, मानसिक विकारों और पक्षाघात से उबरने में सहायता करता है।
- शिक्षा, संवाद और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	मिथुन/कन्या लग्न, निर्बल बुध या संवाद से जुड़े व्यवसायों वाले लोगों के लिए उपयुक्त।

सावधानी
सर्वोत्तम फल के लिए इसे स्वच्छ रखें और नियमित रूप से ऊर्जावान करें।

कारण	चन्द्र राशि का स्वामी बुध है (चन्द्र कन्या में), कुण्डली में बुध निर्बल या पीड़ित है

Paanch Mukhi (5 Face)

मुखी	5
ग्रह	गुरु
देवता	कालाग्नि (काल और अग्नि के स्वामी) / पंचानन शिव
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करने का दिन	गुरुवार
धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Very Common

लाभ
- सबसे बहुपयोगी और सार्वभौमिक रूप से लाभकारी रुद्राक्ष।
- स्वास्थ्य, शांति, विवेक, ज्ञान और समृद्धि को बढ़ावा देता है।
- रक्त को शुद्ध करता है और रक्तचाप को नियंत्रित करता है।
- गुरु के अशुभ प्रभाव कम करता है और सकारात्मक गुणों को बढ़ाता है।
- सभी के लिए उपयुक्त — समग्र कल्याण और आध्यात्मिक उन्नति को बढ़ावा देता है।

किसे पहनना चाहिए	सार्वभौमिक — सभी के लिए उपयुक्त। धनु/मीन लग्न या निर्बल गुरु वालों के लिए विशेष रूप से लाभकारी।

सावधानी
सबसे अधिक पहना जाने वाला, और इसके प्रामाणिक नमूने सबसे आसानी से मिलते हैं।

कारण
- वर्तमान विंशोत्तरी दशा स्वामी गुरु है
- 5 मुखी रुद्राक्ष सभी के लिए सार्वभौमिक रूप से लाभकारी है — यह गुरु और समग्र कल्याण का कारक है।

Chhe Mukhi (6 Face)

मुखी	6
ग्रह	शुक्र
देवता	Lord Kartikeya (Commander of Devas)
मंत्र	Om Hreem Hum Namah

धारण करने का दिन	शुक्रवार
धातु	Silver
रंग	Brown
दुर्लभता	Common

लाभ

- विलासिता, सौंदर्य, प्रेम और भौतिक सुख-सुविधाएँ देता है।
- कलात्मक क्षमता, इच्छाशक्ति और स्थिरता बढ़ाता है।
- प्रजनन स्वास्थ्य और नेत्र रोगों में लाभकारी।
- आलस्य दूर करता है और रचनात्मक कार्यों में एकाग्रता लाता है।
- कलाकारों, संगीतकारों, डिज़ाइनरों और प्रेम की तलाश करने वालों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	वृषभ/तुला लग्न, निर्बल शुक्र या संबंधों और रचनात्मकता में समस्याओं का सामना कर रहे लोगों के लिए उपयुक्त।

सावधानी

परंपरागत रूप से सोमवार या शनिवार को दाहिनी भुजा पर या लॉकेट के रूप में पहना जाता है।

कारण	सूर्य राशि का स्वामी शुक्र है (सूर्य तुला में), कुण्डली में शुक्र निर्बल या पीड़ित है

Saat Mukhi (7 Face)

मुखी	7
ग्रह	शनि
देवता	अनंग (प्रेम के देवता) और महालक्ष्मी
मंत्र	Om Hum Namah
धारण करने का दिन	शनिवार
धातु	Silver or Iron
रंग	Brown
दुर्लभता	Common

लाभ

- सौभाग्य लाता है, दरिद्रता दूर करता है और समृद्धि आकर्षित करता है।
- साढ़े साती सहित शनि के अशुभ प्रभावों को कम करता है।
- आर्थिक स्थिति, धन और व्यावसायिक समृद्धि बढ़ाता है।
- पुराने रोगों और हड्डियों से जुड़े विकारों में लाभकारी।
- आर्थिक कठिनाइयों या शनि-पीड़ा का सामना कर रहे लोगों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	मकर/कुम्भ लग्न, साढ़े साती की अवधि या निर्बल/पापी शनि वालों के लिए उपयुक्त।

सावधानी

शनि महादशा या साढ़े साती के दौरान विशेष रूप से अनुशंसित।

कारण	लग्नेश शनि है (लग्न: मकर)

Baarah Mukhi (12 Face)

मुखी	12
ग्रह	सूर्य
देवता	भगवान सूर्य (सूर्य देव — 12 आदित्य)
मंत्र	Om Kraum Sraum Raum Namah
धारण करने का दिन	रविवार

धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Uncommon

लाभ

- सूर्य की ऊर्जा बिखेरता है — नेतृत्व, तेज और आत्मविश्वास।
- सूर्य के अशुभ प्रभाव दूर करता है और अधिकारपूर्ण गुणों को बढ़ाता है।
- हृदय रोग, नेत्र समस्याओं और हड्डियों के विकारों में लाभकारी।
- समाज में नाम, यश और पहचान दिलाता है।
- राजनीति, प्रशासन और प्रबंधन से जुड़े लोगों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	सिंह लग्न, कुण्डली में निर्बल या पीड़ित सूर्य, या नेतृत्व क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता वालों के लिए उपयुक्त।

सावधानी

पहनते समय सूर्य को जल (अर्घ्य) अर्पित करें। रविवार को पहनें।

कारण	कुण्डली में सूर्य निर्बल या पीड़ित है

Terah Mukhi (13 Face)

मुखी	13
ग्रह	शुक्र
देवता	कामदेव (प्रेम के देवता) और भगवान इंद्र
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करने का दिन	शुक्रवार
धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Rare

लाभ

- भौतिक इच्छाएँ, सांसारिक सुख और आध्यात्मिक ज्ञान पूर्ण करता है।
- चुंबकीय व्यक्तित्व, काम-ऊर्जा और रूमानी आकर्षण बढ़ाता है।
- व्यापार, वाणिज्य और वार्ताओं में सफलता दिलाता है।
- प्रजनन तंत्र की समस्याओं और हार्मोन संतुलन में लाभकारी।
- प्रेम, विलासिता और भौतिक सफलता चाहने वालों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	वृषभ/तुला लग्न, निर्बल शुक्र या प्रेम और संबंधों में चुनौतियों का सामना कर रहे लोगों के लिए उपयुक्त।

सावधानी

दुर्लभ और शक्तिशाली — स्पष्ट उद्देश्य के साथ प्रयोग करें। नकारात्मक उद्देश्यों के लिए न पहनें।

कारण	सूर्य राशि का स्वामी शुक्र है (सूर्य तुला में), कुण्डली में शुक्र निर्बल या पीड़ित है

Chaudah Mukhi (14 Face)

मुखी	14
ग्रह	शनि
देवता	भगवान हनुमान और भगवान शिव (देव मणि)
मंत्र	Om Namah
धारण करने का दिन	शनिवार

धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Very Rare

लाभ

- इसे 'देव मणि' कहा जाता है — देवताओं का रत्न; अत्यंत दुर्लभ और शक्तिशाली।
- अंतर्ज्ञान, दूरदर्शिता और निर्णय-क्षमता बढ़ाता है।
- बुरी आत्माओं, काले जादू और नकारात्मक प्रभावों से रक्षा करता है।
- व्यावसायिक निर्णयों और रणनीतियों में दैवी मार्गदर्शन देता है।
- नेताओं, निर्णयकर्ताओं और आध्यात्मिक पथ पर चलने वालों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	दैवी मार्गदर्शन, रक्षा और बढ़े हुए अंतर्ज्ञान की आवश्यकता वालों के लिए उपयुक्त। आध्यात्मिक साधकों के लिए सर्वोत्तम।

सावधानी

अत्यंत दुर्लभ और महँगा। ख़रीदने से पहले इसकी प्रामाणिकता सावधानी से जाँच लें।

कारण	लग्नेश शनि है (लग्न: मकर)

कुल अनुशंसित	10

प्राथमिक

मुखी	1
नाम	Ek Mukhi (1 Face)
ग्रह	सूर्य
देवता	Lord Shiva (Supreme Consciousness)
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करने का दिन	रविवार
धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Rare

लाभ

- नेतृत्व गुण, आत्मविश्वास और मन की स्पष्टता बढ़ाता है।
- अहंकार दूर करता है और धारक को परम चेतना से जोड़ता है।
- शक्ति, अधिकार और आध्यात्मिक मुक्ति (मोक्ष) प्रदान करता है।
- हृदय और दाहिनी आँख से जुड़े रोगों में प्रभावी।
- राजनेताओं, CEO और आध्यात्मिक नेताओं के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	निर्बल सूर्य, मेष/सिंह लग्न या सिंह राशि के चन्द्र वाले लोगों के लिए उपयुक्त। नेतृत्व पदों पर आसीन लोगों के लिए लाभकारी।

सावधानी

अत्यंत शक्तिशाली; पहनने से पहले किसी योग्य ज्योतिषी से परामर्श लें। परंपरागत रूप से इसे लॉकेट (पेंडेंट) के रूप में पहना जाता है।

कारण	कुण्डली में सूर्य निर्बल या पीड़ित है

आधार

लग्न राशि	मकर

चंद्र राशि	कन्या
सूर्य राशि	तुला
दशा स्वामी	गुरु
जन्म तिथि	1990-10-18

कमजोर ग्रह

सूर्य चंद्र बुध शुक्र

आपका ब्रांड यहाँ

yourbrand.example · hello@yourbrand.example · +91 00000 00000

इस दस्तावेज़ के बारे में

यह रिपोर्ट प्रदर्शित जन्म विवरणों से गणना की गई एक ज्योतिषीय व्याख्या है। यह शास्त्रीय और आधुनिक विधियों द्वारा कुंडली से पढ़ी गई प्रवृत्तियों का वर्णन करती है; यह निश्चित घटनाओं की भविष्यवाणी नहीं है, और यह चिकित्सा, कानूनी, वित्तीय या मनोवैज्ञानिक सलाह नहीं है।

प्रकृति: शास्त्रीय पाठ-आधारित फलादेश: योग, ग्रह फल, रत्न और रुद्राक्ष संबंधी पाठ इस कुण्डली के लिए शास्त्रीय परंपरा से उद्धृत हैं। इनमें आयु, रोग या उपचार संबंधी कथन चिकित्सीय सलाह नहीं हैं और न ही आयु या स्वास्थ्य की भविष्यवाणी हैं।

96Astro API द्वारा गणना की गई · classical-kundli-report · जॉब sample